ACCOUNTABILITY INITIATIVE | 15 years

संक्षिप्त

हिमाचल प्रदेश बजट 2023-24

₹

धन और व्यय के स्रोत

- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, हिमाचल प्रदेश सरकार ने ₹53,413 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया है।
- वित्त वर्ष 2022-23 के लिए संशोधित अनुमान (जिसे रिवाइज्ड एस्टीमेट भी कहते हैं) के अनुसार, कुल राजस्व प्राप्तियां ₹38,945 करोड़ है, जबकि कुल राजस्व व्यय ₹45,115 करोड़ होने का अनुमान है। इसी तरह, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राजस्व घाटा ₹6,170 करोड़ रहने का अनुमान है।
- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, राजस्व प्राप्तियां ₹37,999 करोड़ और कुल राजस्व व्यय ₹42,704 करोड़ होने का अनुमान है। इस प्रकार, कुल राजस्व घाटा ₹4,704 करोड़ होने का अनुमान है। वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा ₹9,900 करोड़ रहने का अनुमान है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 4.61 प्रतिशत है।
- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए, सरकार ने राज्य विकास बजट के लिए ₹9,524 करोड़ की लागत का प्रस्ताव किया है। इसमें से ₹2,399 करोड़ 'अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम' के लिए, ₹857 करोड़ 'आदिवासी विकास कार्यक्रम' के लिए तथा ₹104 करोड़ 'पिछड़ा क्षेत्र विकास कार्यक्रम' के लिए प्रस्तावित किए गए हैं।
- जून 2022 के बाद वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) मुआवजा बंद होने के कारण राज्य के बजटीय संसाधनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। वित्त वर्ष 2022-23 में केंद्र से राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) ₹9,377 करोड़ से घटाकर वित्त वर्ष 2025-26 में ₹3,257 करोड़ किया जाना है।
- वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान अर्थव्यवस्था की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पिछले वर्ष की तुलना में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ, वित्त वर्ष 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय ₹2,22,227 होने का अनुमान लगाया गया है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2022-23 के लिए ₹1,95,404 करोड़ होने का अनुमान है।

---

[1] अनुमानित बजट आगामी वित्त वर्ष में मंत्रालय या योजना के लिए बजट आवंटित धन के संभावित व्यय का पूर्वानुमान होता है।

[2] संशोधित अनुमान संभावित व्यय की मध्य वर्ष समीक्षा होता है। यह बाकी खर्च, नई सेवाओं और सेवाओं के नए साधन आदि को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है।

सामाजिक क्षेत्र

शिक्षा

- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार ने शिक्षा के लिए ₹8,828 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया है।
- राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी सरकार के मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल बनाए जाने हैं। इन स्कूलों में प्री-प्राइमरी से बारहवीं तक की कक्षाएं इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाओं के साथ होंगी। योजना पर चरणबद्ध तरीके से ₹300 करोड़ खर्च किए जाएंगे।
- खेलों में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए खेल छात्रावासों में रहने वाले खिलाड़ियों की आहार राशि को ₹120 प्रतिदिन से बढ़ाकर ₹240 प्रतिदिन किया जाएगा।
- ₹200 करोड़ के प्रस्तावित व्यय के साथ मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना शुरू की जाएगी। योजना के अन्तर्गत पात्र गरीब बच्चों को व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने के लिए वित्त संस्थाओं एवं बैंकों के माध्यम से एक प्रतिशत की ब्याज दर पर शिक्षा ऋण दिया जायेगा।

ⓘ हमारे विश्लेषण के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, 30 नवंबर 2022 तक, राज्य को समग्र शिक्षा के तहत भारत सरकार के कुल स्वीकृत हिस्से का 41 प्रतिशत धन प्राप्त हुआ था।

ⓘ अधिकांश बड़े राज्यों के विपरीत, वित्त वर्ष 2021-22 में पिछले वर्ष की तुलना में समग्र शिक्षा निधि के उपयोग दर में वृद्धि हुई। जिससे वित्त वर्ष 2020-21 में स्वीकृत बजट के हिस्से से व्यय 55 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 60 प्रतिशत हुआ।

ⓘ वित्त वर्ष 2021-22 में राज्य ने ₹5,229 के साथ प्रति छात्र खर्च में सबसे अधिक व्यय दर्ज किया।

- प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी शुरू की जाएगी।
- दस हजार मेधावी छात्रों को टैबलेट-कंप्यूटर दिए जाएंगे।

स्वास्थ्य

- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए स्वास्थ्य विभाग के खर्च का अनुमान ₹2,616 करोड़ है।
- प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में एक स्वास्थ्य संस्थान को आदर्श स्वास्थ्य संस्थान के रूप में विकसित किया जायेगा। इन संस्थानों को 134 प्रकार की प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाएं और चिकित्सा कर्मचारियों के साथ विशेषज्ञ और अत्याधुनिक एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और डिजिटल एक्स-रे सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
- प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों के कैजुअल्टी विभाग को इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में अपग्रेड किया जाएगा। इन संस्थानों में ₹150 करोड़ की लागत से 50 बिस्तर क्षमता के क्रिटिकल केयर ब्लॉक (सीसीबी) का निर्माण किया जाएगा।
- गुणवत्तापूर्ण दवाएं, मशीनरी और उपकरण की खरीद तथा समय पर आपूर्ति के लिए हिमाचल प्रदेश चिकित्सा सेवा निगम की स्थापना की जाएगी।
- पैरा वर्करों के मानदेय में ₹500 की वृद्धि की गई है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए संशोधित मानदेय ₹9,500 प्रति माह, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए ₹6,600, आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लिए ₹5,200, आशा कार्यकर्ताओं के लिए ₹5,200 और मिड-डे मील वर्कर्स के लिए ₹4,000 प्रति माह किये गए हैं।
- गर्भवती महिलाओं और टाइप-1 मधुमेह से पीड़ित बच्चों को इंसुलिन पंप उपलब्ध कराए जाएंगे।

ⓘ हमारे विश्लेषण के अनुसार, राज्य में 70 प्रतिशत परिवार स्वास्थ्य बीमा योजना से कवर किये गए हैं। आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए राज्य में 32 प्रतिशत कम कवरेज है, लेकिन इसे राज्य योजनाओं (38 प्रतिशत) के माध्यम से बढ़ाया गया है।

ⓘ राज्य में आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत किए गए लगभग आधे क्लेम के भुगतान में 45 दिनों से अधिक देरी हुई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के अनुसार, सभी तरह के क्लेम को 15-30 दिनों के भीतर संसाधित किया जाना चाहिए।

ⓘ अधिकांश राज्यों ने आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के निर्माण के अपने लक्ष्यों को पूरा कर लिया है। हिमाचल प्रदेश शेष पांच राज्यों में से एक है, जिसने 85 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करा है।

ग्रामीण विकास

- वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पंचायती राज विभाग के लिए ₹1,916 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है।
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत दैनिक मजदूरी ₹212 से बढ़ाकर ₹240 की जा रही है।
- राज्य अभी तक कवर न किए गए गांवों में 4जी सेवाएं प्रदान करने के लिए ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने का काम शुरू करेगा।
- राज्य की दूध आधारित अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए ₹500 करोड़ के प्रस्तावित लागत के साथ हिम-गंगा योजना की घोषणा की गई है। योजना यह सुनिश्चित करेगी कि दुग्ध उत्पादक क्षेत्रीय और मौसमी कीमतों में होने वाली अस्थिरता या उतार-चढ़ाव से सुरक्षित रह सकें।
- बजट में कृषि, पशुपालन, बागवानी और मत्स्य पालन में स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और किसान हित समूहों (एफआईजी) को 2 प्रतिशत के ब्याज पर ऋण दिए जाने की बात की गयी है।
- राज्य में किसानों की आय बढ़ाने के लिए मछली तालाबों के निर्माण पर 80 प्रतिशत अनुदान दिया जायेगा।
- इस वर्ष पंचायत सचिवों के 210 और तकनीकी सहायकों के 164 पद भरे जाएंगे।
- पंचायती राज प्रतिनिधियों के मानदेय में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष जिला परिषद के लिए ₹5000 प्रति माह और जिला परिषद सदस्यों के मानदेय में ₹500 की वृद्धि की गई है।
- राज्य में कृषि के एकीकृत विकास को सुनिश्चित करने के लिए हिम उन्नति योजना की घोषणा की गई। लाभार्थी परिवारों की आय बढ़ाने के लिए सर्वेक्षण आधारित कार्य योजना तैयार की जाएगी और मौजूदा योजनाओं को इस योजना से जोड़ा जाएगा।

ⓘ हमारे विश्लेषण के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में मनरेगा के तहत भुगतान की गई औसत मजदूरी (₹211) अधिसूचित दरों (₹215) से थोड़ी कम थी।

ⓘ जब मनरेगा के भुगतान में देरी होती है तो श्रमिक देय मजदूरी के साथ मुआवज़े के हकदार होते हैं। हिमाचल ने दिसंबर 2022 तक स्वीकृत मुआवजे का 94 प्रतिशत भुगतान किया था।

ⓘ हिमाचल प्रदेश में वित्त वर्ष 2022-23 में 4 जनवरी 2023 तक मांग के मुकाबले में दिया गया रोज़गार केवल 75 प्रतिशत था।

युवा

- वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में तकनीकी शिक्षा हेतु 361 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।
- हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम के सहयोग से श्रम एवं रोजगार तथा तकनीकी शिक्षा विभाग राज्य भर में ज़रूरत को देखते हुए विभिन्न प्रशिक्षित और प्रमाणित उम्मीदवारों के लिए मासिक आधार पर रोजगार मेले आयोजित करेगा।
- कौशल विकास निगम 500 युवाओं को ड्रोन क्षेत्र में, 500 युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन, 500 युवाओं को सौर ऊर्जा क्षेत्र में तथा अंग्रेजी, रोजगार और उद्यमिता में 5,000 स्नातक छात्रों को प्रशिक्षित करेगा।

महिला सशक्तिकरण

- प्रति वर्ष ₹416 करोड़ की लगत के साथ, राज्य ने 2.31 लाख महिलाओं को प्रति माह ₹1,500 की मासिक पेंशन देने का वादा किया है जो वर्तमान में ₹1,000 और ₹1,150 प्रति माह की दर से पेंशन प्राप्त कर रहे हैं।
- मुख्यमंत्री विधवा एवं एकल नारी आवास योजना के रूप में एक नई आवास योजना की घोषणा की गई है, जिसके तहत पात्र विधवाओं और एकल महिलाओं को ₹1.5 लाख प्रदान किए जाएंगे। वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना के तहत 70 हजार पात्र नागरिकों को शामिल किया जाएगा।
- राज्य ने 20,000 लड़कियों को उनकी उच्च शिक्षा में सहायता के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदने के लिए ₹25,000 की सब्सिडी देने की घोषणा की है।

हरित ऊर्जा

- सरकार ने ई-बसों और ई-ट्रकों की खरीद (₹50 लाख की अधिकतम सीमा के साथ) और निजी ऑपरेटरों द्वारा चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए 50 प्रतिशत की सब्सिडी की घोषणा की है।
- ₹1,000 करोड़ की लागत के साथ, सरकार ने घोषणा की है कि हिमाचल सड़क परिवहन निगम के तहत 1,500 डीजल बसों को चरणबद्ध तरीके से ई-बसों से बदला जाएगा।
- मार्च 2026 तक 'हरित ऊर्जा राज्य' के रूप में विकसित करने के लिए राज्य के प्रत्येक जिले में दो पंचायतों को पायलट आधार पर हरित पंचायत के रूप में विकसित किया जाएगा। इन पंचायतों में 500 किलोवाट से लेकर 1 मेगावाट तक की क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी।

- राज्य सरकार ने घोषणा की है कि हिमाचल प्रदेश को 'इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आदर्श राज्य' के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य ई-वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा और उत्सर्जन को कम करने के लिए छह ग्रीन कॉरिडोर विकसित करेगा।

सामाजिक सुरक्षा और कल्याण

- सरकार ने अनाथ और विकलांग बच्चों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के लिए ₹101 करोड़ के प्रावधान के साथ मुख्यमंत्री सुख-आश्रय कोष की स्थापना की है।
- सरकार ने महिलाओं, बच्चों तथा 'अन्य कमज़ोर वर्गों' के सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के लिए ₹2,233 करोड़ आवंटित किये हैं।
- राज्य ने ₹12 करोड़ की अतिरिक्त लागत के साथ सभी विधवाओं और विकलांग व्यक्तियों को पेंशन प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए आय सीमा और ग्राम सभा की सिफारिश की शर्तों को हटाने की घोषणा की है।
- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए राज्य ने आदिवासी क्षेत्र विकास कार्यक्रम (टीएडीपी) के तहत ₹857 करोड़ की राशि आवंटित की है।
- 'आदिवासी क्षेत्र विकास कार्यक्रम' के तहत केंद्रीय योजनाओं में ₹335 करोड़ की लागत प्रस्तावित की गयी है।
- मनरेगा के तहत, आदिवासी क्षेत्रों में दैनिक मजदूरी 266 रुपये से बढ़ाकर 294 रुपये की जाएगी।

अन्य

- मुख्यमंत्री ग्रीन कवर मिशन के तहत प्रदेश में 250 हेक्टेयर बंजर पहाड़ियों को हरा-भरा बनाने के लिए पौधरोपण शुरू किया जाएगा।
- फ्रांस के विकास बैंक- एएफडी की मदद से मनाली और पालमपुर में पेयजल आपूर्ति योजनाओं में सुधार के लिए ₹817 करोड़ खर्च किए जाएंगे।
- राज्य सरकार ने विधायक क्षेत्र विकास निधि को ₹2 करोड़ से बढ़ाकर ₹2.1 करोड़ प्रति निर्वाचन क्षेत्र करने की घोषणा की है।
- जुलाई 2023 से सरकारी काम में तेजी लाने के लिए राज्य सचिवालय के सभी खंडों में ई-ऑफिस सिस्टम स्थापित किये जायेंगे।

यह प्रकाशन अकॉउंटबिलिटी इनिशिएटिव द्वारा प्रकाशित 'At A Glance: Himachal Pradesh Budget 2023-24' का हिंदी संस्करण है, जिसे मधुर शर्मा, अपराजिता वर्मा, इन्द्रेश शर्मा, प्रतीक गुप्ता, जान्हवी और अवंतिका श्रीवास्तव ने तैयार किया है।